अमेरिकी टैरिफ और सुस्त मांग का दोहरा झटका, अक्तूबर में भारत का रत्न-आभूषण निर्यात 30फीसदी तक लुढ़का

अशोका एक्सप्रेस

Member : CNSI, Delhi निर्वाण प्राप्त गीता भारती राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress

E-mail :-ashoka.express@live.com ashokaexpress

संपादक :- विजय कुमार भारती
प्रबंधक :- सज्जन सिंह

● वर्षः 28 ● अंक : 42 ● नई दिल्ली ● 16 से 22 नवम्बर 2025 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

बिहार चुनाव में वोट चोरी का आरोप, कांग्रेस बोली- अप्रत्याशित नतीजे, हुई बड़ी धांधली!

नई दिल्ली । कांग्रेस ने अपने वोट चोरी के आरोपों को फिर से हवा दे दी है। इस बार यह बिहार चुनाव को लेकर है। बिहार में महागठबंधन की करारी हार के एक दिन बाद, कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया। पार्टी ने एक पोस्ट में कहा कि नरेंद्र मोदी-अमित शाह के इशारे पर चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर के ज़रिए 69 लाख वोट हटा दिए। जिन लोगों के वोट हटाए गए, वे विपक्षी मतदाता थे। उन्हें निशाना बनाकर मतदाता सूची से हटा दिया गया। यह साफ़ तौर पर वोट चोरी है। पार्टी ने एक्स पर लिखा कि पूरे देश ने देखा कैसे बीजेपी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग राज्यों में वोट डालने के बाद भी बिहार में जाकर वोटिंग की। बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने पहले दिल्ली, उत्तराखंड, बेंगलुरु, हरियाणा चुनाव में वोट किया, फिर उन सभी ने बिहार में भी वोट किया। इसमें

लिखा कि चुनाव के बीच बीजेपी ने स्पेशल ट्रेनें चलवाईं, जिसमें लोगों को टिकट दिलवाकर और गले में पटका पहनाकर अलग-अलग राज्यों से बिहार भेजा गया, ताकि वो बीजेपी को वोट दे सकें। इसके साथ ही पार्टी ने कहा कि ज्ञानेश कुमार ने बिहार चुनाव की घोषणा के दिन यानी 6 अक्टूबर को प्रदेश में 7.42 करोड़ वोटर बताए। वहीं, वोटिंग के बाद यानी 11 नवम्बर को वोटरों की संख्या बढ़कर 7.45 करोड़ हो गई। सवाल है- बिहार चुनाव के बीच अचानक से 3 लाख वोटर कैसे बढ़े? बिहार में एसआईआर की फाइनल लिस्ट आने के बाद रिपोर्टर्स कलेक्टिव को अपनी जांच में करीब 1.32 करोड़ से ज़्यादा संदिग्ध वोटर मिले। 39 विधानसभा सीटों पर संदिग्ध वोटों की संख्या 3.76 लाख थी और इसमें से करीब 1.88 लाख नाम ऐसे हैं, जो लिस्ट में दो बार दर्ज थे। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि बिहार में एसआईआर के दौरान चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट में डुप्लीकेट एंट्री पकड़ने वाले सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल नहीं किया। नतीजा ये हुआ कि बिहार की वोटर लिस्ट में करीब 14.35 लाख फर्जी वोटर जुड़ गए। कहा गया है कि बिहार में आचार संहिता लागू होने के बाद भी मोदी-नीतीश सरकार ने महिलाओं को 10,000 रुपए भेजना जारी रखा। खासतौर पर ये किस्तें वोटिंग के दिनों के आसपास भेजी गईं। मगर चुनाव आयोग ने कोई एक्शन नहीं लिया, क्योंकि वे खुद इस वोट चोरी की मिलीभगत में शामिल हैं।

दिल्ली धमाके से पहले डॉक्टर उमर पहुंचा था मोबाइल शॉप, फरीदाबाद से सामने आया नया सीसीटीवी फुटेज

नई दिल्ली ।

दिल्ली के लाल किले मेट्रो स्टेशन के पास 10 नवंबर को हुए कार बम धमाके की जांच में एक और महत्वपूर्ण सुराग मिला है। मुख्य आरोपी आतंकी डॉक्टर उमर नबी का फरीदाबाद की एक मोबाइल रिपेयर शॉप पर सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जहां वह मोबाइल फोन चार्ज कराता हुआ दिख रहा है। वीडियो में उमर दुकानदार को अपने बैग से एक मोबाइल निकाल कर देते हुए दिख रहा है। यह फुटेज धमाके से ठीक पहले का है, जिसमें उमर काले बैग के साथ दुकानदार से बात करता दिखा, जो साजिश की नई कड़ी जोड़ता है। अल-फलाह यूनिवर्सिटी परिसर से 30 अक्तूबर को जम्मू कश्मीर और फरीदाबाद पुलिस की संयुक्त टीम ने डॉ. मुजमिल अहमद गनेई उर्फ मुसैब को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई के दौरान दिल्ली में आई 20 कार से बम धमाका करने वाला डॉ. उमर भी यूनिवर्सिटी परिसर में ही मौजूद था। आधिकारिक सूत्र ने बताया कि पुलिस डॉ. मुजमिल को

गिरफ्तार कर यहां से ले गई और उसके कुछ देर बाद ही डॉ. उमर भी यहां से भाग गया था। बीते लगभग 2-3 महीनों से ब्लॉक नंबर 17 के कमरा नंबर 13 में रहने वाले डॉ. मुजमिल और अपना कमरा छोड़कर इसी कमरे में अधिकतर समय बिताने वाले डॉ. उमर को पाकिस्तानी हैंडलर से हिदायतें मिल रहीं थीं। इन दोनों में सीनियर डॉ. मुजमिल था तो उसकी अधिक बात पाकिस्तानी हैंडलर से होती थी। जांच एजेंसी के आधिकारिक सूत्र ने बताया कि डॉ. मुजमिल के गिरफ्तार होने के तुरंत बाद यहां से भागे डॉ. उमर ने पाकिस्तानी हैंडलर को ये अपडेट दी। पाकिस्तानी हैंडलर ने डॉ. उमर को कहा कि तुम यहां से जल्दी निकलो। पाकिस्तानी हैंडलर ने उमर को मेवात समेत आस-पास के इलाके में छुपने के ठिकाने बताए। इस दौरान पाकिस्तानी हैंडलर ने ही डॉ. उमर की मदद के लिए अन्य लोगों को भी काम पर लगाया। कुछ दिन तक इन्हें छुपकर रहने की हिदायत पाकिस्तानी हैंडलर की ओर से दी गई। इसके बाद 8 नवंबर को जम्मू कश्मीर व फरीदाबाद पुलिस की संयुक्त टीम एक बार फिर अल-फलाह यूनिवर्सिटी परिसर पहुंची। यहां पुलिस को डॉ. शाहीन की वो स्विफ्ट कार मिली जिसे डॉ. मुजमिल प्रयोग कर रहा था। इसी कार की तलाशी ली गई और राइफल, पिस्टल, मैगजीन व गोलियां बरामद की गई। ये कार्रवाई कई घंटे तक चली तो यूनिवर्सिटी परिसर में मौजूद लोगों व स्टॉफ ने ये देखा। ये सूचना डॉ. उमर तक पहुंची कि पुलिस फिर से यूनिवर्सिटी परिसर आ गई और स्विफ्ट कार से हथियार बरामद किए गए हैं। डॉ. उमर ने ये अपडेट पाकिस्तानी हैंडलर को दी कि पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई है और अब अवैध हथियार भी बरामद किए गए हैं। आधिकारिक सूत्र ने बताया कि इसी समय पर इन्हें लगा कि फरीदाबाद में यूनिवर्सिटी के आस-पास जो विस्फोटक छुपाया गया है, उस तक भी पुलिस जल्द पहुंच सकती है। ऐसे में इतने दिनों की प्लॉनिंग फेल हो जाएगी। तभी पाकिस्तानी हैंडलर ने डॉ. उमर व अन्य लोगों का संपर्क आपस में कराया और फिर दो दिन बाद ही दिल्ली में बम धमाका करा दिया गया।

16 बेटियों के गुनहगार को जान का खतराः कोर्ट में चैतन्यानंद ने लगाई याचिका, कहा- न कपड़े मिल रहे न खाना

नई दिल्ली । दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के एक निजी संस्थान में 16 छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने के आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती ने पटियाला हाउस कोर्ट में दावा किया कि तिहाड़ जेल में उनकी जान को खतरा है। यह आरोप यौन उत्पीड़न मामले में न्यायिक हिरासत में बंद चैतन्यानंद ने अदालत में लगाया। चैतन्यानंद ने न्यायिक मजिस्ट्रेट अनिमेष कुमार के समक्ष यह कहा कि जेल अधिकारियों से बार-बार अनुरोध करने के बावजूद उन्हें साधु के वस्त्र पहनने की अनुमति नहीं दी गई है और न ही उन्हें साधुओं के लिए निर्धारित आहार दिया गया है। इसके बाद अदालत ने जेल अधिकारियों से इस मामले पर एक विस्तृत स्थिति रिपोर्ट मांगी और मामले की सुनवाई 18 नवंबर तक स्थगित कर दी। इससे पहले, 7 नवंबर को चैतन्यानंद ने सत्र अदालत से अपनी जमानत याचिका वापस ली थी, क्योंकि आरोपपत्र दाखिल होने के बाद आरोपों की जांच की आवश्यकता थी। चैतन्यानंद पर आरोप है कि उसने छात्राओं को देर रात अपने क्वार्टर में बुलाया और अनुचित संदेश भेजे। इसके अलावा, वह उनके व्यक्तिगत जीवन पर नजर रखता था। 62 वर्षीय चैतन्यानंद को 28 सितंबर को आगरा से गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में 16 पीड़ितों में से 9 से पुलिस पूछताछ कर चुकी है। सत्र अदालत ने कहा था कि पीड़ितों की संख्या को देखते हुए यह अपराध और भी गंभीर हो गया है।

पंजाबी बाग के पुरानी स्लम क्वार्टर में गोलीबारी, युवती की मौत और एक युवक घायल

नई दिल्ली । पश्चिम दिल्ली के पंजाबी बाग थाना क्षेत्र के ओल्ड स्लम क्वार्टर में आज एक सनसनीखेज गोलीकांड हुआ। जहां एक 24 साल की युवती मुस्कान एक कमरे में घायल मिली तो वहीं उसी क्वार्टर में अलग कमरे में एक 25 साल का युवक नीरज भी घायल मिला। दोनों को पुलिस ने तुरंत अस्पताल भिजवाया। युवती की मौत हो चुकी है। मोबाइल क्राइम टीम और एफएसएल की टीम घटना स्थल पर पहुंच चुकी है।

दिल्ली पुलिस की कार्रवाई, पार्ट टाइम जॉब के नाम पर फ्रॉड, राजस्थान से 2 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली । नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वालों पर दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने ऑनलाइन जॉब स्कैम चलाने वाले दो आरोपियों को राजस्थान के झुंझुनू से गिरफ्तार किया है. आरोपियों ने दिल्ली के गांधी नगर निवासी आनंद गोयल को फर्जी पार्ट-टाइम जॉब का लालच देकर 49,000 रुपये का चूना लगाया था. दिल्ली पुलिस के मुताबिक, पीड़ित को व्हाट्सऐप पर एक मैसेज आया जिसमें यूट्यूब चैनलों को सब्सक्राइब जैसे आसान ऑनलाइन टास्क करने पर कमाई का झांसा दिया गया. शुरुआती छोटे-छोटे टास्क पूरे करने पर उन्हें कुछ रुपये भी मिले. इसके बाद उन्हें कमिशन बेस्ड टास्क ऑफर किए गए, जिनमें पहले एडवांस पेमेंट करना होता था और बदले में 30 प्रतिशत मुनाफे का वादा किया गया. इसी लालच में उन्होंने 7,000 और 42,000 रुपये दो किस्तों में भेज दिए. बाद में जब ठगों ने 1,20,000 रुपये और मांगे और पीड़ित ने इंकार किया तो उन्होंने संपर्क काट दिया. दिल्ली पुलिस टीम ने धोखाधड़ी में इस्तेमाल हुए बैंक खातों का रिकॉर्ड खंगाला. पता चला कि 42,000 रुपये फिनो बैंक के एक खाते में गए हैं जो झुंझुनू निवासी हितेश कुमार के नाम पर है. टीम तुरंत राजस्थान पहुंची और हितेश को गिरफ्तार किया. पूछताछ में उसने कबूला कि उसने अपना बैंक खाता अपने साथी नितेश मेहला के कहने पर खोला था और बदले में कमीशन मिलने वाला था. उसके बयान पर पुलिस ने नितेश को भी गिरफ्तार कर लिया. उसके मोबाइल से कई व्हाट्सऐप चैट बरामद हुए, जिनसे पता चला कि वह साइबर ठगों के लिए कई बैंक खाते उपलब्ध कराता था.

सम्पादकीय

सोनम वांगचुक और लद्दाख

ट्वीट करने से लेकर प्रधानमंत्री जी, लद्दाख का वर्षों पुराना सपना पूरा करने के लिए धन्यवाद और अब यह कहने तक कि मेरी गिरफ्तारी मेरी आज़ादी से ज़्यादा देश को जगाएगी, सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का सत्ताधारी व्यवस्था के साथ रिश्ता नाटकीय रूप से बदल गया है। जो कभी नायक माने जाते थे, आज उन्हें खलनायक बताया जा रहा है, जो कभी परिवर्तन के प्रतीक थे, अब उन्हें पाकिस्तान से जोड़कर देखा जा रहा है और जो कभी पर्यावरणविद के रूप में सम्मानित थे, उन पर अब विदेशी फंडिंग कानून के उल्लंघन का आरोप लगाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किया गया धन्यवाद ट्वीट वर्ष 2019 का है, जब केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से लद्दाख को अलग कर एक केंद्र शासित प्रदेश बनाया था यह लद्दाखवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग थी। अनुछेद 370 के हटने तक लद्दाख, जम्मू-कश्मीर राय का हिस्सा था। मोदी सरकार के निर्णय के बाद इसे एक केंद्र शासित प्रदेश के रूप में गठित किया गया मगर अब हालात बदल चुके हैं, वही सरकार जिसकी कभी सोनम वांगचुक ने सराहना की थी आज उन्हें जेल के पीछे भेज चुकी है। इस वर्ष सितंबर में वांगचुक को गिरफ्तार कर राजस्थान के जोधपुर की जेल में भेजा गया। लद्दाख में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। प्रदर्शनकारियों ने जहां भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय कार्यालय को आग के हवाले कर दिया, वहीं सुरक्षा बलों की गोलीबारी में चार प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। इस खूनी टकराव की दो कहानियां हैं। एक प्रशासन की और दूसरी जनता की। लद्दाख के उपरायपाल कविंदर गुप्ता ने यह बयान दिया कि यदि पुलिस ने लेह में गोलीबारी न की होती तो पूरा लद्दाख जलकर राख हो जाता। वहीं, एपेक्स बॉडी का आरोप है कि प्रदर्शनकारियों को सिर और सीने में गोली मारी गई। इस तूफ़ान के केंद्र में हैं सोनम वांगचुक, कभी भाजपा के पोस्टर ब्वाय रहे यह शख्स अब आरोपी हैं, बदनाम और निशाने पर। आज अपने गृह राय से लगभग 1,600 किलोमीटर दूर, सोनम वांगचुक राष्ट्रविरोधी गतिविधियों, सरकार को गिराने की साज़िश और लद्दाख में हिंसा भड़काने के आरोपों से जूझ रहे हैं। यह सर्वविदित है कि वांगचुक लद्दाख को संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए अभियान चला रहे हैं। 10 सितंबर से वे भूख हड़ताल पर थे, जबकि सरकार का आरोप है कि उन्होंने भीड़ भड़काने के लिए स्थल छोड़ दिया। इससे पहले भी उन पर भड़काऊ भाषण देने और प्रदर्शनकारियों को उकसाने का आरोप लगाया गया था। आखिर सोनम वांगचुक हैं कौन? उनका उद्देश्य या कथित एजेंडा क्या है? जैसा कि भाजपा शासित व्यवस्था जनता को समझाना चाहती है? वे किसके हित में लड़ रहे हैं और क्यों? और लद्दाख में यह असंतोष किस बात का संकेत है? क्यों यह पहाड़ी क्षेत्र अस्थिर है, हिंसा उकसाई गई थी या स्वतः भड़की? सितंबर 2025 से पहले तक ये ऐसे प्रश्न थे जिनके उत्तर अस्पष्ट थे। शायद आज भी हैं लेकिन वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद अब नज़रें उन पर और उन मुद्दों पर टिकी हैं जिनसे यह पहाड़ी क्षेत्र जूझ रहा है। बड़ी तस्वीर लद्दाख की है, पर फ़ोकस वांगचुक पर है। दोनों ने मिलकर उन सवालों को केंद्र में ला खड़ा किया है जिन पर वर्षों से असंतोष सुलग रहा था और प्रशासन तथा सरकार को उन्हें संबोधित करने के लिए मजबूर किया है। इसलिए जब वांगचुक ने कहा, क़ैद में बंद सोनम वांगचुक, आज़ाद सोनम वांगचुक से ज़्यादा मुश्किल हैं, तो वे ग़लत नहीं थे। एक स्थानीय प्रतीक, जिनकी गिरफ्तारी ने देशभर का ध्यान खींचा है, वांगचुक का जन्म लेह के पास एक गांव में हुआ था। 1975 में उनके पिता के जम्मू-कश्मीर सरकार में मंत्री बनने के बाद परिवार श्रीनगर चला गया। श्रीनगर के स्कूलों में सोनम को पढ़ाई में कठिनाई हुई, क्योंकि वे केवल लद्दाखी भाषा जानते थे, जबकि शिक्षा उर्दू और कश्मीरी में दी जाती थी। तभी उन्होंने प्रण लिया कि एक वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था खड़ी करेंगे और स्नातक होने के बाद उन्होंने यह सपना पूरा किया। लद्दाख में उनके द्वारा सह-स्थापित वैकल्पिक मॉडल स्कूल का उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में सुधार लाना था। बाद में वे 'आइस स्तूपा' जैसी नवाचार परियोजनाओं से राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हुए, जो जल संकट से निपटने का एक उपाय थीं और 'सोलर टेंट' जैसी खोजों से, जो हिमालय की कठिन सर्दियों में तैनात भारतीय सैनिकों के काम आईं। वांगचुक की गिरफ्तारी ने निश्चित रूप से जनता में असंतोष पैदा किया लेकिन अब यह केंद्र-बिंदु नहीं रहा। हिंसा थम गई है, प्रदर्शन धीमे पड़ गए हैं और राय सामान्य स्थिति की ओर लौट रहा है। इस बीच एपेक्स बॉडी और केंद्र सरकार के बीच मांगों पर बातचीत जारी है। लगभग तीन लाख की आबादी वाला लद्दाख मुख्य रूप से लेह और कारगिल जिलों में विभाजित है जहां लेह में बौद्ध और कारगिल में मुस्लिम समुदाय बहुसंख्यक हैं। दोनों समुदायों की चिंताएं और सोच एक-दूसरे के विपरीत हैं। बौद्ध समुदाय अपने लिए अलग क्षेत्र की मांग कर रहा है, जबकि मुस्लिम समुदाय जम्मू-कश्मीर राय का हिस्सा बने रहना चाहता है। यही कारण है कि अनुछेद 370 के हटने के बाद लेह में उत्सव मनाया गया, जबकि कारगिल में शोक छा गया। अब आगे बढ़ते हुए जो गुट कभी एक-दूसरे के विरोध में थे उन्होंने युद्धविराम की घोषणा कर एकजुट मोर्चा बना लिया है। इसे अवसरवाद कहें या व्यावहारिकता परंतु अब स्थानीय नेता और नागरिक समाज एक स्वर में अपनी मांगें उठा रहे हैं, पूर्ण राय का दर्जा, लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करना, एक अलग लोक सेवा आयोग की स्थापना और एक अतिरिक्त संसदीय सीट की मांग। इनमें से कुछ मांगें व्यावहारिक हैं लेकिन राय के दर्जे की मांग जटिल और विवादास्पद है। लद्दाख के बाहर से देखें तो राय का दर्जा देने पर केंद्र सरकार की झिझक उचित प्रतीत होती है। यह तर्क कि लद्दाख एक सीमावर्ती क्षेत्र है और इसलिए संवेदनशील है, कुछ हद तक सही भी है। चूंकि लद्दाख की सीमाएं चीन और पाकिस्तान दोनों से लगती हैं, इसलिए केंद्र की चिंताएं वाजिब लगती हैं। घरेलू स्तर पर भी राय का दर्जा एक पेचीदा विषय है। सिर्फ़ लद्दाख ही नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर जैसे क्षेत्र भी लंबे समय से राय का दर्जा मांग रहे हैं। केंद्र सरकार पहले ही कह चुकी है कि जम्मू-कश्मीर को राय का दर्जा दिया जाएगा। हालांकि समय सीमा स्पष्ट नहीं की गई है। ऐसे में लद्दाख की मांग पर विचार करना, जबकि जम्मू-कश्मीर को अभी तक राय का दर्जा नहीं मिला है, किसी विश्वासघात से कम नहीं माना जाएगा। जहां तक छठी अनुसूची का सवाल है, इस पर सरकार वर्षों से चर्चा कर रही है लेकिन कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। छठी अनुसूची जनजातीय समुदायों को स्वायत्तता और संवैधानिक संरक्षण देती है ताकि उनकी भूमि, संसाधन और सांस्कृतिक अधिकार सुरक्षित रहें किंतु संविधान के अनुसार यह प्रावधान केवल पूर्वोत्तर रायों के लिए आरक्षित है और इसके दायरे में कोई अन्य क्षेत्र नहीं आ सकता। यदि लद्दाख को छठी अनुसूची का लाभ दिया जाता है तो मणिपुर, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश जैसे अन्य राय भी इसकी मांग कर सकते हैं जहां बड़ी जनजातीय आबादी रहती है। संविधान में संशोधन संभव है लेकिन फिलहाल भाजपा सरकार इस दिशा में सहमति नहीं दिखा रही है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हाल ही में कहा कि केंद्र सरकार ने 2023 की हिल काउंसिल चुनावों में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए छठी अनुसूची के संरक्षण देने का वादा किया था, जबकि उसे भली-भांति पता था कि ऐसा करना लगभग असंभव है। उन्होंने कहा छठी अनुसूची के अंतर्गत भूमि का अधिग्रहण, विशेष रूप से रक्षा उद्देश्यों के लिए, लगभग असंभव हो जाता है और एक ऐसा क्षेत्र जो एक ओर चीन और दूसरी ओर पाकिस्तान से घिरा है, वहां मज़बूत रक्षा ढांचा अनिवार्य है। फिलहाल, लद्दाख की कहानी गिरे हुए नायकों, हिंसा, खून और मौतों की कहानी है। यह उस शिक्षित युवाओं के आक्रोश की दास्तान है जिनके पास डिग्रियां तो हैं, पर रोज़गार नहीं। यह टूटी हुई उम्मीदों की कहानी भी है.

नैरेटिव का विकल्प खोजे बिना कैसे हो उद्धार

उमेश चतुर्वेदी ।

चाणक्य की धरती के मतदाताओं ने आधुनिक राजनीति के कौटिल्यों को भी हैरत में डाल दिया है। एनडीए की जीत की उम्मीद एक्जिट पोल कर तो रहे थे, लेकिन उन्हें भी इतनी बड़ी जीत की उम्मीद नहीं थी। एनडीए की भारी जीत और तेजस्वी की अगुआई वाले महागठबंधन की करारी हार ने कई राजनीतिक संदेश दिए। समाजवादी गठबंधन के लिए कांग्रेस का साथ पत्थर बांध कर तैरने जैसा हो गया है। जिस भी समाजवादी गठबंधन ने कांग्रेस का हाथ थामा, वह राजनीति के समंदर में डूब गया। इसके पहले उदाहरण बिहार के पड़ोसी राय उत्तर प्रदेश के अखिलेश यादव हैं। 2017 के विधानसभा चुनावों में यूपी के लड़के के नारे के साथ राहुल गांधी का साथ लेकर अखिलेश चुनावी वैतरणी पार करने उतरे थे, लेकिन भाजपा की लहर में वे डूब गए। 2022 में भी कांग्रेस उनके लिए पतवार नहीं बन सकी। इस बार तेजस्वी के लिए कांग्रेस सहारा नहीं बन पाई। चुनाव नतीजों कुछ वैसे ही हैं, जैसे हम तो डूबे ही सनम, तुझे भी ले डूबेंगे। विपक्षी गठबंधन को अब सोचना होगा कि कांग्रेस का हाथ वह कब और कितना पकड़े कि उसकी सियासी नैया पार लग सके, डूबे नहीं। बिहार के चुनाव नतीजों ने यह भी संदेश दिया है कि राजनीतिक भंवर में अति आत्मविश्वास सामने से आ रही लहरों के मुकाबले का साहस दें, चाहे न दें, उनकी तासीर और ताकत का अंदाजा नहीं लगने देती। तेजस्वी के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। अति आत्मविश्वास उन्हें ले डूबा।

तेजस्वी का अपने शपथ ग्रहण की तारीख तय करना और उसे अति उत्साही अंदाज में लोगों के बीच रखना, एक वर्ग को भले ही अछा लगा हो, आम वोटरों को पसंद नहीं आया। रही-सही कसर उनके अति उत्साही नेताओं और कार्यकर्ताओं के मनोबल ने पूरा कर दिया। बिहार की स्थानीय शब्दावली में यह मनोबल नहीं, मनबढ़ होना था। इसने सत्ताधारी एनडीए के जंगलराज के नैरेटिव को उस पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद पहुंचाई, जो जंगलराज के बाद नीतीश के सुशासन राज में पैदा हुई है।

जिस तरह स्थानीय चैनलों, यू ट्यूबरों और चुनावी माहौल में कुकुरमुत्तों की तरह कथित मीडिया चैनलों के कैमरों के सामने अठारह-बीस साल वाली लड़कियों तक ने तेजस्वी राज में एक खास वर्ग और जाति से डर की आशंका जताई, उससे साफ हो गया था कि बिहार का चुनावी नजारा क्या रहने जा रहा है। बुजुर्ग महिलाएं और पुरूष जिस तरह जंगल राज की भयावह तसवीरें लोगों के सामने रख रहे थे, उसने भी भावी नतीजों की जानकारी दे दी थी। मीडिया के एक वर्ग ने एनडीए के नैरेटिक के बरक्स तेजस्वी की अगुआई वाले महागठबंधन का बचाव करने की कोशिशकी। तेजस्वी को उससे अलग दिखाने की कोशिशें भी कम नहीं हुईं। ऐसा करते वक्त तेजस्वी के रणनीतिकार, कांग्रेस से सहानुभूति रखने वाला बौद्धिक वर्ग भूल गया कि एक बड़ा वर्ग अब भी सक्रिय है, जिसने जंगलराज को देखा है। जैसे-जैसे तेजस्वी के नए विजन को पेश करने की कोशिश की गई, वैसे-वैसे प्रतिक्रिया स्वरूप लोगों में पुराने दिनो के घाव ताजा होते गए। नतीजा सामने है। पिछली बार के चुनावों में महागठबंधन को सबसे यादा ताकत अंग प्रदेश और भोजपुर से मिली थी। शाहाबाद क्षेत्र में कांग्रेस और माले के साथ महागठबंधन ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। इलाके 22 सीटों में से पिछली बार एनडीए को सिर्फ दो सीटें मिली थीं। लेकिन इस बार उसका प्रदर्शन करीब सात गुना बेहतर हुआ है। इस बार एनडीए कुल मिलाकर 14 सीटें जीत रहा है या जीतने के कगार पर है। साफ है कि इस बार शाहाबाद में एनडीए को बारह सीटों का बंपर फायदा हुआ है। शाहाबाद के रोहतासृ सासाराम जिले की सात विधानसभा सीटों में से सिर्फ एक पर राजद को जीत मिली है, जबकि दो पर लोकजनशक्ति पार्टी, दो पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा और एक पर जनता दल यू को जीत मिली है। इसी जिले में प्रशांत किशोर की गृह सीट करगहर आती है, जहां से उन्होंने भोजपुरी गायक रितेश पांडेय को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन वे तीसरे स्थान पर रहे। चार सीटों वाले भभुआ में तो राष्ट्रीय जनता दल का तो खाता भी नहीं खुला है। यहां की रामगढ़ विधानसभा सीट आरजेडी के दिग्गज जगदानंद सिंह की मानी जाती है। उनके बक्सर से सांसद बेटे सुधाकर सिंह यहां से विधायक रह चुके हैं। चुनाव के एक दिन पहले यूपी की विधायक पूजा पाल से बदसलूकी के चलते सुधाकर चर्चा में थे। बहरहाल भभुआ की चार में से तीन सीटों पर जहां बीजेपी को जीत मिली है, वहीं एक सीट जनता दल यू के खाते में गई है। इसी तरह शाहाबाद इलाके के बक्सर जिले की चारों सीटों पर एनडीए का कब्जा हुआ है।

यहां की दो सीटों पर जनता दल यू, एक पर लोकजनशक्ति पार्टी और एक पर भाजपा को जीत मिली है। शाहाबाद के भोजपुर जिले की सात विधानसभा सीटों में से एक पर माले और एक पर राजद को जीत मिली है। जबकि चार पर भाजपा और एक पर जनता दल यू को सफलता मिली है। इसी तरह लालू के गढ़ सारण में भी एनडीए ने महागठबंधन को भारी शिकस्त दी है। पिछली बार यानी 2020 के विधानसभा चुनाव में जिले की दस विधानसभा सीटों में से छह पर राजद का कब्जा था। लेकिन इस बार नौ सीटों पर एनडीए को जीत मिल रही है। सिर्फ मढ़ौरा से राजद समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार को जीत मिली है। सारण प्रमंडल के सीवान जिले में भी महागठबंधन का कोई जादू नहीं चल पाया। जिले की सीवान सीट से राजद के कद्दावर उम्मीदवार और विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष अवध बिहारी यादव को बीजेपी के दिग्गज मंगल पांडेय के सामने हार का सामना करना पड़ा है। जिले में आठ विधानसभा सीटें है। जिनमें से पिछली बार यानी 2020 में छह सीटों पर आरजेडी का कब्जा था। लेकिन इस बार यह समीकरण उलट गया है। इस बार राजद के हाथ सिर्फ बड़हरिया और रघुनाथपुर ही लगा है। रघुनाथपुर से बाहुबली रहे शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा सहाब को जीत मिली है। गोपालगंज जिले में ही लालू प्रसाद यादव का पुश्तैनी घर है। लेकिन यहां से भी राष्ट्रीय जनता दल को शिकस्त मिली है। यहां की छह में से सिर्फ दो सीटों पर राष्ट्रीय जनता दल को जीत मिली है, जबकि एक पर भाजपा और तीन पर जनता दल यू को जीत मिली है।

दिलचस्प यह है कि जिन 21 सीटों पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रचार किया, वहां एनडीए को जीत मिली है। इसके बाद बीजेपी को यह कहने का मौका मिल सकता है कि उसके पास कहीं यादा विश्वसनीय यादव नेतृत्व है। मौजूदा विधानसभा चुनाव में महागठबंधन को मिली पराजय के बाद इसमें शामिल दलों को अपनी रणनीति और अपने नेतृत्व को लेकर विचार करना होगा। यह पराजय विपक्षी गठबंधन में राहुल गांधी के नेतृत्व पर भी सवाल उठाती है। विपक्षी गठबंधन को सोचना होगा कि राहुल की अगुआई कहीं उसकी राह की बाधा तो नहीं बन रही है। उसे यह भी सोचना होगा कि महज नैरेटिव के हथियार और कुछ बौद्धिकों की सोच के सहारे मोदी के हरावल दस्ते को नहीं हराया जा सकता। विपक्षी गठबंधन को राजनीतिक पैंतरेबाजी के साथ ही सांप्रदायिकता के डर वाले नैरेटिव के बरक्स जमीनी हकीकत से जुड़ा कोई दूसरा नैरेटिव अपनाना होगा, लोगों से सीधा संपर्क करना होगा, अपनी पुरानी दबंग छवियों से बाहर निकलने की तरकीब खोजनी होगी। लेकिन सवाल यह है कि क्या महागठबंधन और उसका नेतृत्व ऐसा सोचने को भी तैयार है?

स्वामी, प्रकाशक वं मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगें। Phone : 9810674206

सफेद लहंगे में देसी गर्ल प्रियंका ने दिखाए जलवे, ग्लोबट्रॉटर इवेंट में किया नमस्ते; वायरल हो रही तस्वीरें

एसएस राजामौली की अपकमिंग फिल्म के लिए हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में ग्लोबट्रॉटर इवेंट हुआ। इस इवेंट में फिल्म के कलाकार पहुंचे और फैंस ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। फिल्म वाराणसी की लीड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा इस मौके पर सफेद रंग की ड्रेस में नजर आईं। इवेंट में आते ही उन्होंने नमस्ते किया और फैंस की तरफ हाथ हिलाया। सफेद लहंगे में प्रियंका चोपड़ा बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने अपने लुक को गहनों से पूरा किया। प्रियंका ने इवेंट में एंट्री की और फैन्स को नमस्ते किया। उन्होंने अपने को-स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन का अभिवादन किया। उन्होंने फिर से हाथ हिलाया और कुछ सेकंड के लिए मुस्कुराईं, फिर पृथ्वीराज के बगल में बैठ गईं। इवेंट में महेश बाबू और विलेन पृथ्वीराज सुकुमारन भी शामिल हुए। इवेंट में प्रियंका चोपड़ा ने कहा मुझे भारत में इस फिल्म में काम करने पर बहुत खुशी हो रही है। मैं खुद को बहुत लकी मानती हूं कि मैं तेलुगु इंडस्ट्री को वाइन कर पाई। ये तो बस शुरुआत है। उन्होंने राजामौली और महेश बाबू की तारीफ की। महेश बाबू की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा मुझे आपके परिवार ने इतना अपनापन फील कराया।

मुझे लगा कि हैदराबाद मेरा दूसरा घर है। इवेंट से प्रियंका की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों पर फैंस ने कमेंट किए हैं। एक फैन ने लिखा है प्रियंका बिल्कुल रानी लग रही हैं! भारतीय फिल्मों में उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार है! एक दूसरे फैन ने लिखा है वह प्रियंका चोपड़ा जोनस हैं! देखिए कितनी खूबसूरत हैं! एक दूसरे फैन ने लिखा, अविश्वसनीय सुंदरता। कुछ दिन पहले राजामौली ने अपनी अपकमिंग फिल्म से प्रियंका चोपड़ा का लुक जारी किया था। पोस्टर में प्रियंका साड़ी में एक्शन करते हुए नजर आ रही थीं। उन्होंने कोल्हापुरी चप्पल के साथ पीली साड़ी पहनी थी। हाथ में बंदूक लिए हुए वह निशाना लगा रही थीं।

दूसरे ही दिन घटी दे दे प्यार दे 2 की कमाई, अजय देवगन की फिल्म को नहीं मिला वीकएंड का भी फायदा

अजय देवगन की अदाकारी वाली फिल्म दे दे प्यार दे 2 का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। यह फिल्म कल यानी 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। दर्शकों ने फिल्म पर मिली-जुली प्रतिक्रिया दी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक शुरुआत की।

आइए जानते हैं फिल्म ने दूसरे दिन कितना कलेक्शन किया है। रकुल प्रीत सिंह की अदाकारी वाली फिल्म दे दे प्यार दे 2 के दूसरे दिन के शुरुआती आंकड़े सामने आने लगे हैं। दूसरे दिन फिल्म की कमाई घटी है।

खबर लिखे जाने तक फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 6.83 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। देर रात इन आंकड़ों में इजाफा हो सकता है। पहले दिन फिल्म ने 8.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। इस तरह से फिल्म की टोटल कमाई 15.58 करोड़ रुपये हो चुकी है। दे दे प्यार दे 2 साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म दे दे प्यार दे का सीक्वल है। रिलीज से पहले इस फिल्म की काफी चर्चा थी। इसका ट्रेलर रिलीज होने के बाद दर्शक फिल्म को लेकर उत्साहित थे। फिल्म के पहले पार्ट दे दे प्यार दे ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 10.41 करोड़ रुपये कमाए थे। इसने भारत में 104.13 करोड़ रुपये कमाए थे। पहली फिल्म के मुकाबले इसके सीक्वल की शुरुआत कमजोर रही। दे दे प्यार दे 2 के निर्देशक अंशुल शर्मा हैं। इसमें अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह के अलावा आर माधवन, मीजान जाफरी, जावेद जाफरी, इशिता दत्ता और गौतमी कपूर हैं। फिल्म के निर्माता लव रंजन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और अंकुर गर्ग हैं। इसके लेखक लव रंजन और तरुण जैन हैं। फिल्म दे दे प्यार दे 2 में दे दे प्यार दे से आगे की कहानी दिखाई गई है। रकुल प्रीत अजय देवगन के परिवार से मिल चुकी हैं। अब अजय देवगन रकुल प्रीत के परिवार से मिलते हैं। छोटी उम्र की रकुल प्रीत जब बड़े उम्र के अजय देवगन को अपने परिवार को मिलवाती हैं, तो उन लोगों के रिएक्शन देखने वाले होते हैं। इसके बाद परिवार में अजय देवगन को लेकर कई बातें शुरू होती हैं। फिल्म में कॉमेडी का तड़का है।

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के क्लाइमैक्स सीन को लेकर मोना सिंह ने किया बड़ा खुलासा, बोलीं- 'सिर्फ बॉबी और मुझे

आर्यन खान द्वारा निर्देशित पहली सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड ने दर्शकों को आकर्षित करने का काम किया था। अब इस सीरीज में काम कर चुकीं एक्ट्रेस मोना सिंह ने बताया कि उन्होंने और बॉबी देओल ने इस सीरीज से जुड़े राज को कई साल तक छुपा कर रखा था। पढ़िए पूरी खबर। अभिनेत्री मोना सिंह ने पीटीआई से बात की। उन्होंने कहा, 'सिर्फ बॉबी देओल और मुझे ही क्लाइमेक्स के बारे में पता था, सिर्फ हम दोनों को। आर्यन यह बात किसी और को नहीं बताना चाहता थे। यहां तक कि शो का शीर्षक भी, बॉबी सर और मुझे ही पता था। मैं चुप रही और उस बोझ को ढोती रही, दो साल तक उस राज को छुपाए रखा, जो मेरे लिए नामुमकिन है। लेकिन यह सब सार्थक रहा। मुझे बहुत मजा आया। मैं इसका हिस्सा बनकर खुद को खुशकिस्मत मानती हूं। मैं सचमुच बहुत खुश हूं।' आगे बातचीत में अभिनेत्री ने बताया, 'मैं पंजाब में किसी और चीज की शूटिंग कर रही थी और उन्होंने (आर्यन खान) ने मुझे जनवरी के महीने में फोन किया। उन्होंने कहा, हमें सभी रिकॉर्डिंग देने हैं, इसलिए हमें अभी इस गाने की शूटिंग करनी है और आपका समय आ गया है।' मैंने कहा कि ठीक है। इसलिए, मैं एक दिन के लिए बॉम्बे आई और फिर आर्यन ने मुझे सब बताया।' द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में लक्ष्य लालवानी, सहर बाम्बा, बॉबी देओल, राघव जुयाल, आन्या सिंह, मनीष चौधरी, मोना सिंह, विजयंत कोहली, मनोज पाहवा, गौतमी कपूर और रजत बेदी जैसे कलाकार नजर आए हैं। कहानी आसमान सिंह (लक्ष्य) नाम के एक ऐसे नौजवान की है जो फिल्मों की दुनिया में बड़ा नाम कमाने का सपना लेकर आता है। उसके साथ उसका दोस्त परवेज (राघव जुयाल) और मैनेजर सान्या (आन्या सिंह) उसका साथ देते हैं। यह कहानी न सिर्फ ग्लैमर की दुनिया की चमक दिखाती है बल्कि उसके पीछे की अंधेरी सचाइयों को भी उजागर करती है।

काजोल-ट्विंकल के शो पर मनेगा महिला विश्व कप की जीत का जश्न, क्रिकेटर जेमिमा और शेफाली होंगी अगली मेहमान

ट्विंकल खन्ना और काजोल का शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल शानदार होने वाला है। इसकी वजह है कि इस शो में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की चैंपियन जेमिमा रोड्रिग्स और शेफाली वर्मा आने वाली हैं। शो में महिला विश्व कप की जीत का जश्न मनाया जाएगा। शो में भारतीय क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स और शेफाली वर्मा से बातचीत होगी। दोनों अपने क्रिकेट के सफर, जीत के बारे में और देश का प्रतिनिधित्व करने के बारे में बात करेंगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम, महिला वनडे विश्व कप में द. अफ्रीका को हराकर चैंपियन बनी थी। 52 साल के इतिहास में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार यह कारनामा किया था। काजोल ने इस एपिसोड को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की और कहा कि विश्व कप चैंपियन के साथ बातचीत करना सम्मान की बात होगी। उन्होंने कहा जब भारत ने 2025 का महिला क्रिकेट विश्व कप जीता, तो इतिहास रच गया। टू मच पर, हमें सुपर-टैलेंटेड जेमिमा और शेफाली के साथ बात होगी और जीत के पर्दे के पीछे की चीजें जानने का मौका मिलेगा। वह हमे उन पलों के बारे में बताएंगी जिसने एक राष्ट्र के सपने को हकीकत में बदल दिया। ट्विंकल खन्ना ने हाल ही में महिला विश्व कप में मिली जीत को प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा जेमिमा और शेफाली की उपलब्धि हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। यह रोमांचित करने वाला है कि वह हमारे शो में आ रही हैं और हम से बातचीत करेंगी। उन्होंने कई बाधाओं को पार किया है। वह अपने साथ कई महिलाओं के लिए एक रास्ता तैयार कर रही हैं। हर गुरुवार को शो आता है टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल प्राइम वीडियो का शो है। इसका प्रीमियर 25 सितंबर को हुआ। हर गुरुवार को इसका एक नया एपिसोड आता है।

फरहान अख्तर ने समझाया देशभक्ति और अंधभक्ति का फर्क, बताया फिल्म '120 बहादुर' ने कैसे बदला उनका नजरिया?

फिल्म 'लक्ष्य' को फरहान अख्तर ने निर्देशित किया था, इस फिल्म ने सेना की अहमियत और देशभक्ति के मायने लोगों को समझाए थे। अब फरहान अख्तर बतौर एक्टर फिल्म '120 बहादुर' में काम कर रहे हैं। जल्द यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी फिल्म से जुड़े एक इंटरव्यू में फरहान अख्तर ने असल देशभक्ति के मायने बताए। जस्ट टू फिल्मी को दिए गए इंटरव्यू में फरहान अख्तर कहते हैं, 'देशभक्ति बहुत खूबसूरत अहसास है, लेकिन अंधराष्ट्रवाद बहुत बुरी चीज है। मेरा मानना है कि जब हमारे सैनिक पूरी ईमानदारी से अपना काम करते हैं, तो उनको कुछ कहने की जरूरत नहीं होती है। उनके काम, फैसले ही देशभक्ति को, देश के लिए वफादारी को दिखाते हैं। हमारी फिल्म भी ऐसी ही सचाई को बयां करती है।' फरहान अख्तर इंटरव्यू में आगे कहते हैं, 'जब मैं फिल्म की तैयारियों के लिए मेजर शैतान सिंह के बेटे से मिला तो उन्होंने बताया कि वह हमेशा मुस्कुराते रहते थे।

'मुझे ग्रे किरदार निभाने में मजा आता है', 'दिल्ली क्राइम 3' में खुद की भूमिका पर हुमा कुरैशी ने दी प्रतिक्रिया

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी इन दिनों ओटीटी पर छाई हुई हैं। पहले 'महारानी 4' और अब 'दिल्ली क्राइम' सीरीज के तीसरे सीजन से वो सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने इसमें ग्रे शेड रोल में मुख्य भूमिका निभाई है। अपने किरदार को लेकर अभिनेत्री ने प्रतिक्रिया दी है और कहा कि इन रोल्स को करने के लिए उन्हें सुझाव भी आए थे। पढ़िए उन्होंने क्या कहा। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने दिल्ली क्राइम 3 में अपने किरदार के बारे में पीटीआई से बातचीत की। उन्होंने कहा, 'मैंने ग्रे किरदार निभाए हैं, मुझे हल्के-फुल्के ग्रे किरदार निभाने में मजा आता है, लेकिन यह डार्क है, जितना डार्क हो सकता है उतना डार्क और शानदार भी। मेरे कलाकारों ने मुझसे कहा था कि बुरे किरदार करो। इसलिए मैंने इसे प्रशंसा के तौर पर लिया।' आगे उन्होंने कहा, 'हमने अपने द्वारा चुने गए विकल्पों के बारे में सोचा। चाहे वह हरियाणवी का उपयोग करने की कोशिश हो क्योंकि हम उसे एक बहुत ही वास्तविक व्यक्ति बनाना चाहते थे, न कि केवल

एक कार्डबोर्ड जैसा फिल्मी विलेन।' आगे बातचीत में हुमा कुरैशी ने बोला, 'मैं सौभाग्य से उन लोगों में से हूं, जिन्हें किसी खास माहौल में रहने, संगीत सुनने या कोई खास परफ्यूम लगाने की जरूरत नहीं होती। मुझे बस शॉट से पहले 10 सेकंड का मौन रखना होता है, और मैं तैयार हो जाती हूं।' फिर एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक प्रक्रिया से कहीं ज्यादा है, सेट पर पहुंचने से बहुत पहले ही मेरा होमवर्क हो जाना चाहिए, यानी स्क्रिप्ट को बार-बार पढ़ना और यह समझना कि मैं क्या कर रही हूं। फिर एक्शन और कट के बीच, खुद को रोकने की कोशिश न करते हुए, उस पल के आगे समर्पण कर देना चाहिए। इस सीरीज का निर्देशन तनुज चोपड़ा द्वारा किया गया है। इसमें हुमा कुरैशी ने मीना के रूप में विलने का किरदार निभाया है, जिन्हें बड़ी दीदी के नाम से भी जाना जाता है। मीना मानव तस्करी नेटवर्क की एक शक्तिशाली हस्ती है। इसमें हुमा कुरैशी के अलावा शेफाली शाह, रसिका दुग्गल और राजेश तैलंग जैसे कलाकार भी नजर आए हैं। यह सीरीज 13 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस-2025- प्रेस क्लब ऑफ इंडिया और एक्रेडिटेड जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ने भव्य समारोह में वरिष्ठ पत्रकारों को किया सम्मानित

नई दिल्ली , (ए,के चौधरी) राष्ट्रीय प्रेस दिवस-2025 के अवसर पर एक्रेडिटेड जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन और प्रेस क्लब ऑफ इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भव्य राष्ट्रीय समारोह प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। देशभर से आए वरिष्ठ पत्रकारों, मीडिया विशेषज्ञों और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई, जिसके बाद मुख्य अतिथियों ने मीडिया की भूमिका और चुनौतियों पर अपने महत्वपूर्ण विचार रखे।

मुख्य अतिथि ञ्श्री स्वदेश भूषण ने कहा,पत्रकारिता का मूल स्वभाव सत्य की खोज है। डिजिटल युग में यह जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है, क्योंकि सूचना सिर्फ तेज नहीं, सटीक भी होनी चाहिए।

श्री के. शिवकुमार ने कहा,

आज पत्रकारों के सामने सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता बनाए रखने की है। तकनीक सहायता करती है, लेकिन पत्रकार का विवेक ही उसके काम को दिशा देता है।

श्री सुधीर महाजन (से.नि. IAS) ने कहा,लोकतंत्र तभी मजबूत बनता है जब पत्रकारिता निष्पक्ष और निर्भीक हो। मीडिया राष्ट्र का दर्पण भी है और दिशा देने वाली शक्ति भी।

श्री अनिल कुमार सक्सेना (IIS) ने कहा, पत्रकारिता केवल पेशा नहीं बल्कि जनसेवा का माध्यम है। हमें वही सूचना समाज तक पहुंचानी चाहिए जो राष्ट्रहित को सशक्त करे।

एक्रेडिटेड जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री विजय शंकर चतुर्वेदी ने कहा, राष्ट्रीय प्रेस दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मावलोकन का अवसर है। यही पत्रकारिता की असली शक्ति है।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के महासचिव श्री नीरज ठाकुर ने कहा,

तेजी से बदलते मीडिया परिदृश्य में पत्रकारों को डिजिटल मीडिया, डेटा पत्रकारिता और तकनीकी दक्षता के साथ आगे बढ़ना होगा।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री गौतम लाहिरी ने बोले,

मीडिया की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है। पत्रकारों का निर्भीक होना ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

कार्यक्रम का सबसे विशेष आकर्षण था–देशभर के प्रतिष्ठित पत्रकारों का सम्मान।सम्मानित पत्रकारों में शामिल रहेञ्श्री दिलबर गोठी, श्री संजीव उपाध्याय, श्री राकेश थापलियाल, श्री राम दास, श्री मानस बनर्जी, श्री सुशील झलानी, श्री गुरु बसावैया, श्री शिकोह आज़ाद, सुश्री विनीता यादव, श्री कृष्ण कुमार तिवारी, मोहम्मद इलियास, श्री सुशील कुमार, डॉ. सुनील पराशर, श्री सुनील शर्मा, श्री विजय कुमार भारती,संपादक, अशोका एक्सप्रेस, श्री राहुल शर्मा, श्री ओ.पी. गौतम, श्री जे, पी, जिंदल,संपादक सहित कई अन्य वरिष्ठ पत्रकार।

कार्यक्रम का संचालन Eminent Journalist श्री संजीव उपाध्याय ने किया, जिनकी प्रभावशाली एंकरिंग ने समारोह को गरिमामय बनाया।

कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में श्री जगन नेगी और श्री अनिल मंचंदा का सराहनीय योगदान रहा, जिन्होंने पूरे आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों, पत्रकारों और सहयोगियों के प्रति महासचिव श्री कोड़ले चन्नप्पा ने हार्दिक आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय प्रेस दिवस-2025 का यह भव्य आयोजन पत्रकारिता की स्वतंत्रता, निष्पक्षता और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त संदेश देकर संपन्न हुआ।

यह कार्यक्रम सभी उपस्थितों के लिए प्रेरणादायी और स्मरणीय साबित हुआ।

बाजार एकाधिकार की साजिश में एपल-ओपनएआई पर चलेगा केस, एंटी-ट्रस्ट कानून का किया उल्लंघन

नई दिल्ली । एपल और चैटजीपीटी निर्माता ओपनएआई एलन मस्क की कंपनी एक्स कॉर्प द्वारा दायर उस मुकदमे को खारिज नहीं करा सके जिसमें स्मार्टफोन व जनरेटिव एआई चैटबॉट्स के बाजारों पर एकाधिकार करने की साजिश का आरोप था। एपल-ओपनएआई टेक्सास में फोर्ट वर्थ में अमेरिकी जिला जज मार्क पिटमैन को यह केस खत्म कराने के लिए तर्क पेश करने में नाकाम रहे। अपने फैसले में जज ने कहा, मस्क का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स व स्टार्टअप एक्सएआई फिलहाल अपने मुकदमे को आगे बढ़ा सकते हैं, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभुत्व की लड़ाई में अरबपति उद्यमी की प्रारंभिक जीत है। जज ने अपने संक्षिप्त आदेश में कहा कि उनके फैसले को एक्स के आरोपों के गुण-दोष पर निर्णय के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए और वह मामले में बाद के चरण में तथ्यों पर विवादों पर विचार करेंगे। मस्क कंपनियों का कहना है कि एपल ने एंटी-ट्रस्ट कानून का उल्लंघन किया है। ओपनएआई ने मुकदमे को मस्क के उत्पीड़न के चल रहे पैटर्न के अनुरूप बताया और कहा कि हम इसे अदालत में साबित करने

के लिए उत्सुक हैं। कोर्ट के फैसले पर एपल और एक्स की तरफ से कोई त्वरित प्रतिक्रिया नहीं आई है। मस्क की कंपनियों ने अगस्त में दायर मुकदमे में दावा किया था कि एपल ने आईफोन और अन्य उपकरणों पर खुफिया सुविधाओं में चैटजीपीटी को विशेष रूप से एकीकृत करके एंटी-ट्रस्ट कानून का उल्लंघन किया है। मुकदमे में आरोप लगाया गया कि एपल ने ओपनएआई के साथ साझेदारी में प्रतिद्वंद्वियों को अवैध रूप से बाहर कर दिया है। एक्स और एक्सएआई ने यह भी आरोप लगाया कि एपल ने एप स्टोर में प्रतिद्वंद्वियों को दरकिनार कर चैटजीपीटी को अपनी जरूरी एप्स सूची में शामिल किया है।

केस खारिज करने की मांग कर एपल ने कहा, उसका ओपनएआई सौदा अनन्य नहीं है। एपल ने यह भी कहा कि एक भागीदार को चुनना किसी भी तरह से गैरकानूनी नहीं है। एपल ने किसी भी प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण से इन्कार करते हुए अदालत को बताया कि अन्य चैटबॉट ब्राउजरों और एप्स के जरिये उपलब्ध हैं, तथा एक्स और ग्रोक एप स्टोर चार्ट में उच स्थान पर हैं।

ओपनएआई ने मुकदमे के जवाब में मस्क पर ओपनएआई और चैटजीपीटी के खिलाफ कानूनी लड़ाई छेड़ने का आरोप लगाया। मस्क कैलिफोर्निया की एक संघीय अदालत में ओपनएआई और उसके नेताओं पर अलग से मुकदमा कर रहे हैं।

माननीय प्रधानमंत्री-भारत सरकार, श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री, श्रीमती रेखा गुप्ता जी

पूर्व केजरीवाल सरकार का कमाऊ पूत

सिचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के

अधिशासी अभियंताओं द्वारा 11 वर्षों से विकास एवं निर्माण कार्य में बेहद घटिया निर्माण सामग्री व फर्जी बिल लगाकर।

करोड़ो के घोटाले व भष्टाचार की जांच

श्रीमान निदेशक, सीबीआई, भारत सरकार से कराई जाएं।

छठ घाटो में टेन्ट, पानी टैंकर, बड़े नालो की साफ-सफाई, बॉउन्ड्रीवाल के फर्जी बिल लगाकरकिए गए करोड़ो के घोटाले और हरे-भरे पेड़ो को काटकर खुलेआम बेचा जा रहा है।

I&FC के श्री अशोक कुमार-(FC-III), ए.सुरेन कुमार (पीएनडी), विवेक चौहान (CD-II), शोभित जैन (CD-III), सोमनाथ कश्यप (CD-IV), बी.बी.नागपाल (CD-V), बी.डी.शर्मा (CD-VII), पुनित डुडेजा (CD-IX), प्रशांत मिश्रा (CD-X), योगेश कुमार खेड़ा (CD-XI), गगन गौड़ (CD-XII), सुधीर कुमार आर्य (CD-XIII), एई, जे.ई ने ठेकेदारों की मिलीभगत से दिल्ली के विधानसभा क्षेत्रों के विकास एवं निर्माण कार्य में घटिया निर्माण सामग्री और फर्जी बिल बनाकर कर रहे है अपना समाजवाद दूर!

भ्रष्टाचारियों व कमिशन खोरो का अड्डा बना अधिशासी अभियंता, सतर्कता कार्यालय: बसई दारापुर?

निवेदक: अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा (विज्ञापन)

48 घंटे में हत्या का खुलासा, श्रीरामपुर पुलिस ने दो आरोपी दबोचे

देवरिया।

थाना श्रीरामपुर क्षेत्र में हुई हत्या की गुत्थी को पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर सुलझाते हुए दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में चल रहे अभियान ऑपरेशन शिकंजा के तहत शनिवार तड़के यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व तथा क्षेत्राधिकारी भाटपाररानी अंशुमन श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष डॉ. महेंद्र कुमार की टीम ने मुखबिर की सूचना पर सुबह लगभग 4.30 बजे चित्रसेनडुबनकटा मार्ग पर घेराबंदी कर दोनों आरोपी इकरार अंसारी उर्फ हजारी और सैय्यद आलम, निवासी लुहसी, थाना उचकागांव, गोपालगंज (बिहार) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल और एक सैमसंग एंड्रॉयड मोबाइल भी बरामद किया।

बिहार के गोपालगंज निवासी वादी रूपचंद साह ने 13 नवंबर को थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसका बेटा सतीश साह दो परिचित युवकों के साथ मोटरसाइकिल पर निकला था। आरोप है कि दोनों अभियुक्त उसे शराब पिलाने के बहाने श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के नरकटिया ले गए, जहां उसकी हत्या कर शव फेंक दिया। पुलिस ने मामले में धारा 103(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। सूचना संकलन, तकनीकी विश्लेषण और लगातार दबिश के बाद पुलिस टीम आरोपियों तक पहुंची और उन्हें धर दबोचा। दोनों से पूछताछ में हत्या की वजह और घटना की साजिश संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आने की पुष्टि पुलिस सूत्रों ने की है। गिरफ्तारी में थानाध्यक्ष डॉ. महेंद्र कुमार के साथ उपनिरीक्षक झीनेलाल पासवान, उपनिरीक्षक मनीष त्रिपाठी, हेड कांस्टेबल मिथिलेश कुमार, कांस्टेबल अजीत यादव, अजय सिंह और राहुल यादव शामिल रहे। थानाध्यक्ष डॉ. महेंद्र कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है और मामले के अन्य तथ्यों की जांच जारी है।

हाटा तहसील सभागार में 19 नवम्बर को महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित

कुशीनगर।

उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्य श्रीमती जनक नंदिनी की अध्यक्षता में महिलाओं की समस्याओं का मौके पर होगा समाधान

उत्तर प्रदेश महिला आयोग द्वारा महिलाओं की समस्याओं के समाधान और कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के उद्देश्य से जनपद कुशीनगर में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन 19 नवम्बर, 2025 (बुधवार) को तहसील सभागार, हाटा में किया जाएगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राय महिला आयोग की सदस्य श्रीमती जनक नंदिनी करेंगी। कार्यक्रम में जनपद की महिलाएँ अपनी शिकायतें और आवेदन प्रस्तुत कर सकती हैं, जिनका मौके पर ही निस्तारण किया जाएगा या संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सशक्त बनाना है। इसमें महिला उत्पीड़न की शिकायतें, घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद और कार्यस्थल पर उत्पीड़न जैसी समस्याओं पर चर्चा कर उनके त्वरित समाधान का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला प्रशासन, महिला कल्याण विभाग, पुलिस विभाग, श्रम विभाग और समाज कल्याण विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे, ताकि पीड़ित महिलाओं की समस्याओं का समग्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

इसके अलावा, पोषण अभियान, मोटापा नियंत्रण, संतुलित आहार, किशोरियों के स्वास्थ्य, डिजिटल साक्षरता, स्त्री-पुरुष समानता और बाल अधिकार जैसे विषयों पर भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने जनपद की सभी महिलाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में महिला जनसुनवाई में शामिल होकर अपनी समस्याएँ प्रस्तुत करें, ताकि उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सके।

कप्तानगंज तहसील समाधान दिवस में 16 प्रार्थना पत्र, 4 का हुआ मौके पर निस्तारण

कप्तानगंज, कुशीनगर।

स्थानीय तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित तहसील समाधान दिवस मुख्य विकास अधिकारी बंदिता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। समाधान दिवस में कुल 16 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 4 राजस्व से संबंधित मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। सीडीओ ने शेष 12 लंबित मामलों को संबंधित विभागों को समयबद्ध रूप से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने का निर्देश दिया।

दर्ज प्रार्थना पत्रों में राजस्व 12, पुलिस 1, विकास 1, स्वास्थ्य 1 तथा अन्य 2 मामले शामिल रहे। सीडीओ बंदिता श्रीवास्तव ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि शेष शिकायतों का तत्परता से निस्तारण कर फरियादियों को शीघ्र न्याय दिलाया जाए। किसी भी कर्मचारी या अधिकारी द्वारा लापरवाही मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी कुंदन सिंह, एसडीएम विनोद कुमार गुप्ता, तहसीलदार चन्दन शर्मा, नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी एकता त्रिपाठी, अध्यक्ष सबीता भारती, प्रमोद सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

हाटा पुलिस की बड़ी कार्रवाई- गैंगस्टर एक्ट के 25 हजार के इनामी पिंटू यादव को किया गिरफ्तार

कुशीनगर। अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत हाटा पुलिस ने शनिवार को गैंगस्टर एक्ट में वांछित ?25,000 के इनामी अपराधी पिंटू यादव को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की। गिरफ्तार अभियुक्त पिंटू यादव पुत्र योगेंद्र यादव, निवासी गोपालपुर, थाना गोपालपुर, जिला गोपालगंज (बिहार) है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त के खिलाफ थाना हाटा में मुं0अ0सं0 404/2025, धारा 3(1) यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज था। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। अभियुक्त का आपराधिक इतिहास गंभीर है।

कप्तानगंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हत्या मामले में तीन वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कुशीनगर। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कप्तानगंज पुलिस को शनिवार को बड़ी सफलता मिली। थाना कप्तानगंज की टीम ने हत्या और अन्य संबंधित मामलों में वांछित तीन अभियुक्तों – आकाश विश्वकर्मा, राघवेन्द्र विश्वकर्मा और खुबलाल विश्वकर्मा उर्फ भगत – को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। सभी आरोपी ग्राम लक्ष्मीपुर, थाना कप्तानगंज, जनपद कुशीनगर के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार इन अभियुक्तों के खिलाफ थाना कप्तानगंज में मुं0अ0सं0 523/2025, धारा 103/ 352/ 333/3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीकृत था। आरोपी लंबे समय से फरार थे और स्थानीय स्तर पर पुलिस द्वारा की गई रणनीतिक छापेमारी में पकड़ में आए। गिरफ्तारी की कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक चन्द्रभूषण प्रजापति, निरीक्षक अरविन्द कुमार यादव, वरीय उपनिरीक्षक सुर्यभान यादव, उपनिरीक्षक पंकज कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल सौरभ भारती, हेड कांस्टेबल गुलाम सरवर, एवं कांस्टेबल अरुण कुमार, पंकज यादव, राकेश यादव और अरुण कुमार शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभियान लगातार जारी है। आम नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत थाना कप्तानगंज को दें।

स्वास्थ्य केंद्रों पर मधुमेह के प्रति जागरूकता, 415 नए मरीज चिन्हित

देवरिया।

विश्व मधुमेह दिवस पर शनिवार को जिलेभर के सीएचसी, पीएचसी एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में जागरूकता और जांच शिविरों का व्यापक आयोजन किया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगाए गए इन शिविरों में मधुमेह के जोखिम, लक्षण, रोकथाम और उपचार पर विस्तार से जानकारी दी गई। लोगों की मुफ्त शुगर एवं बीपी जांच की गई और उन्हें संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि जिले की सभी स्वास्थ्य इकाइयों पर आयोजित इन कार्यक्रमों का उद्देश्य मधुमेह से जूझ रहे लोगों को समय पर उपचार, नियमित निगरानी और सही जानकारी उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि दिनचर्या में अव्यवस्था, शारीरिक गतिविधियों की कमी और गलत खानपान की वजह से मधुमेह तेजी से

जिलेभर में चला जांच व परामर्श अभियान

बढ़ रहा है। सीएमओ ने बताया कि जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रतिदिन करीब 350 मरीज मधुमेह से संबंधित समस्याओं के लिए पहुंच रहे हैं। नियमित व्यायाम, सुबह की सैर और स्वास्थ्यकर भोजन को आदत में शामिल कर इस बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. अश्वनी पांडेय ने बताया कि इस वर्ष मधु के साथ जीना है। स्वस्थ और सक्रिय जीवन थीम पर जागरूकता कार्यक्रमों एवं जांच शिविरों का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि जिलेभर में हुई जांच में 415 लोगों में मधुमेह की पुष्टि हुई, जिनका आगे उपचार एवं परामर्श के लिए पंजीकरण किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे नियमित जांच कराते रहें, समय पर उपचार लें और जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव कर इस बीमारी से स्वयं को सुरक्षित रखें।

एएसपी उत्तरी के निर्देशन में साइबर कमांडो की कार्यशाला सम्पन्न

देवरिया।

डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों से निपटने के उद्देश्य से शनिवार को पुलिस लाइन सभागार में एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनंद कुमार पांडेय के निर्देशन में हुई इस कार्यशाला में जिले के सभी थाना प्रभारियों द्वारा नामित साइबर कर्मी और तकनीकी शाखा के पुलिसकर्मी शामिल हुए। एएसपी उत्तरी ने प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कहा कि ऑनलाइन फ्रॉड, बैंकिंग धोखाधड़ी, सोशल मीडिया हैकिंग और डिजिटल पहचान की चोरी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में पुलिस बल के हर सदस्य का तकनीकी रूप से दक्ष होना बेहद जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ितों को त्वरित राहत पहुंचाने के लिए नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल, सायबर हेल्पलाइन 1930, CCTNS सहित अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग अनिवार्य है। कार्यशाला के दौरान साइबर कमांडो टीम के विशेषज्ञों ने

पुलिसकर्मियों को सिखाए गए डिजिटल जांच के आधुनिक तरीके

पुलिसकर्मियों को विभिन्न साइबर अपराधों की जांच प्रक्रिया, तकनीकी साक्ष्यों के संरक्षण, डिजिटल फुटप्रिंट ट्रैकिंग और केस स्टडी के माध्यम से वास्तविक मामलों का विश्लेषण कराया। प्रतिभागियों को ऑनलाइन फ्रॉड के नए तरीकों और उनके समाधान की व्यवहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में एएसपी उत्तरी ने उपस्थित पुलिसकर्मियों से अपेक्षा जताई कि वे इस प्रशिक्षण का उपयोग मामलों की जांच में करते हुए आम लोगों को साइबर जागरूकता के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि पुलिस की तकनीकी दक्षता और जनता की सजगता, दोनों मिलकर ही साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित कर सकती हैं। इस प्रशिक्षण से पुलिसकर्मियों की जांच क्षमता में निश्चित रूप से वृद्धि होगी और जिले की साइबर सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

यूनिवर्सिटी से बनी टेरर फैक्टरी अल फलाह का मालिक कौन?

नई दिल्ली । अल फलाह यूनिवर्सिटी का मालिक जावेद अहमद सिद्दीकी (61) तीन वर्ष जेल में बंद रह चुका है। वह पहले चिट फंड का काम करता था। उसके बाद उसने लोगों को पैसे नहीं दिए थे। उसके खिलाफ 14 से 15 प्राथमिकी दर्ज हुई थीं। माना जा रहा है कि उसने इन पैसों से यूनिवर्सिटी को खड़ा करने में लगाया। हालांकि बाद में उसने सभी लोगों का पैसा लौटा दिया। वह सभी केसों से बरी हो गया था। साल 2000 दर्ज हुई एफआईआर (संख्या 43/2000) में सिद्दीकी और उनके भाई सऊद अहमद का नाम दर्ज किया गया था, जो नई दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धाराओं 420 (धोखाधड़ी), 406 और 409 (आपराधिक न्यास का उल्लंघन), 468 (धोखाधड़ी के लिए जालसाजी), 471 (जाली दस्तावेजों का उपयोग) और 120बी (आपराधिक साजिश) के तहत दर्ज की गई थी। उन पर 7.5 करोड़ रुपये की हेराफेरी का आरोप था। मालिक जावेद ने इंदौर से बीटेक सिविल इंजीजिनयर में किया हुआ है। इसके

बाद उसने वर्ष 1992 में जामिया मिलिया यूनिवर्सिटी में एसिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर नौकरी करना शुरू किया। यहां इसने जनवरी, 1994 तक नौकरी की। इसकी दोनों बहनें दुबई में रहती हैं। दोनों बेटे भी दुबई में रहते हैं। जावेद अहमद सिद्दीकी, अल-फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट का अध्यक्ष है, जो फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर चलाता है। फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी का संबंध नौ कंपनियों से है, जिसका मैनेजिंग ट्रस्टी जावेद अहमद सिद्दीकी है। सिद्दीकी इन नौ कंपनियों का डायरेक्टर है, जो कि इनवेस्टमेंट, शिक्षा, सॉफ्टवेयर, ऊर्जा, निर्यात और कंसल्टेंसी से जुड़ा है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर से इंजीनियरिंग की डिग्री ले चुके जावेद अहमद सिद्दीकी, अल-फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट का अध्यक्ष है। अल फलाह विश्वविद्यालय अब उस जांच के केंद्र में है, जिसमें रेड फोर्ट मेट्रो स्टेशन के पास 10 नवंबर को हुए धमाके में शामिल उग्रवादी डॉक्टरों के मॉड्यूल का खुलासा हुआ है, जिसमें 13 लोगों की मौत हुई थी। इस साजिश से जुड़े तीन डॉक्टर उमर उन नबी, जो धमाके वाली कार चला रहा था, मुजम्मिल अहमद गनाई, जिसे 30 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया, और शाहीन शाहिद, जिसे 11 नवंबर को लखनऊ से पकड़ा गया अल-फलाह में पढ़ाता था।

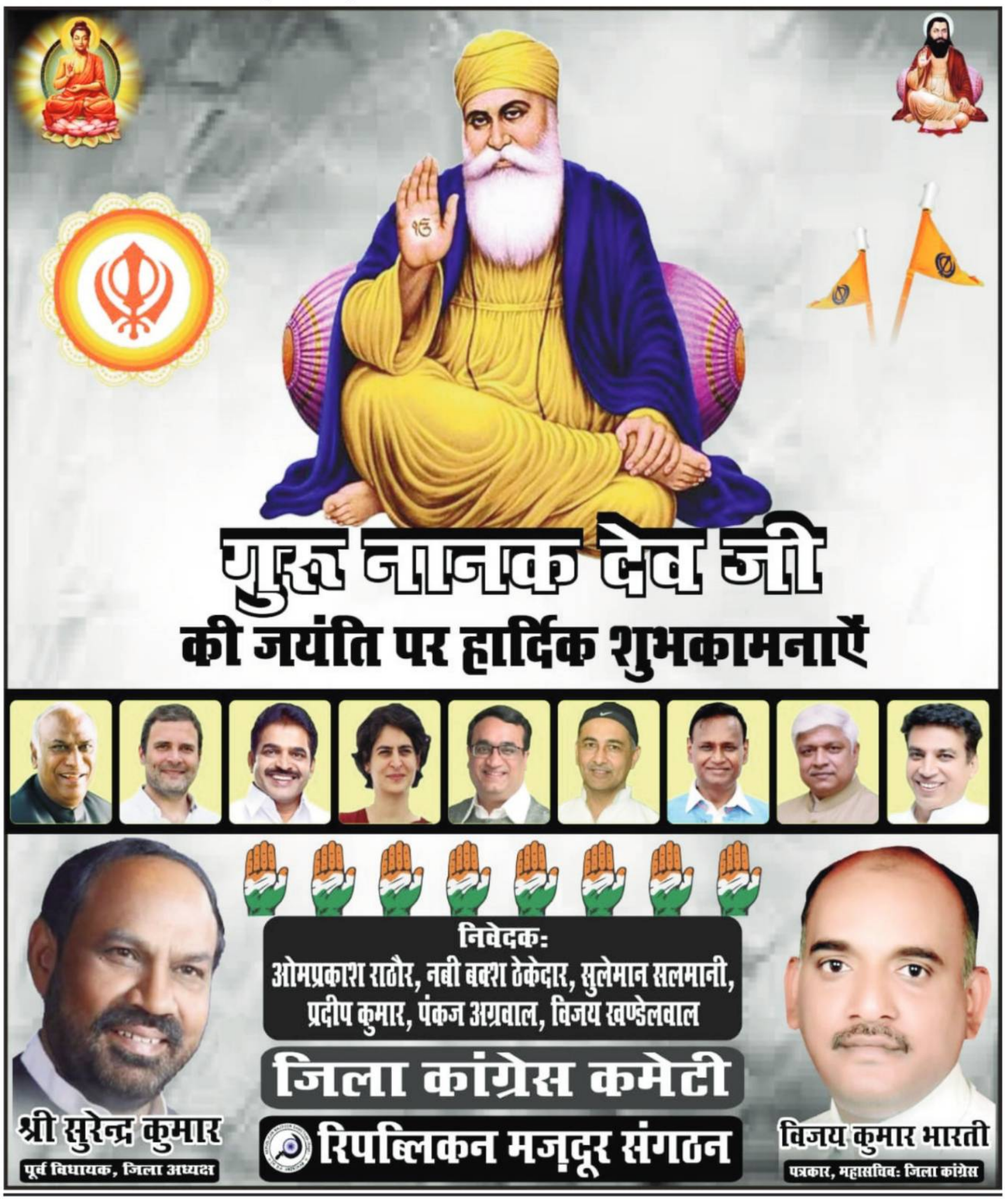

दिल्ली में धमाके के बाद टूरिस्ट की संख्या आई भारी गिरावट, कमाई भी घटी

नई दिल्ली । दिल्ली में सोमवार (10 नवंबर 2025) की रात लाल किले के पास हुए विस्फोट के बाद चांदनी चौक के आसपास के क्षेत्र में वैसा उत्साह वाला माहौल नहीं दिखाई देता जो सामान्यत यहां रहता है और विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करता है. कई टूरिस्ट गाइड का कहना है कि उनके पास आने वाले पर्यटकों की संख्या आधी रह गई है. अधिकतर पर्यटक लाल किले की विरासत के बारे में जानने के बजाय इस घातक विस्फोट के बारे में जानने को यादा उत्सुक दिखते हैं. खानपान के खोमचे लगाने वाले और सजावटी सामान बेचने वाले कुछ विक्रेता अपना सामान नष्ट हो जाने के बाद आजीविका के अन्य साधन अपना रहे हैं. शुक्रवार दोपहर, विदेशी पर्यटकों का एक छोटा समूह अवरोधकों के पास खड़ा था और तब 25 वर्षीय गाइड इकबाल को

उनसे घटना के बारे में बात करते सुना गया. उसने कहा, ''मैं हर दिन कम से कम 10 परिवारों या पर्यटकों को घुमाने ले जाता था. अब दिल्ली आने वाले लोग लाल किला नहीं आ रहे हैं.

और जो आते भी हैं, वे विस्फोट के बारे में जानना चाहते हैं. मैं उन्हें बैरिकेड तक ले जाता हूं और बताता हूं कि क्या हुआ था. पिछले दो दिनों से, हर कोई मुझसे यही पूछ रहा है.'' वहीं, लगभग 10 वर्षों से इस क्षेत्र में गाइड के रूप में काम कर रहे सोहेल ने कहा, 'चांदनी चौक दिल्ली के पर्यटन का केंद्र है. एक तरफ ऐतिहासिक बाजार है और दूसरी तरफ लाल किला है. सबसे पहले हम पर्यटकों को लाल किले के द्वार पर लाते हैं ताकि वे इसे देख सकें.'' उन्होंने कहा, ''अब, मुगल बादशाह शाहजहां और उनके वंश के बारे में बात करने के बजाय, हम विस्फोट और पुलिस को अब तक जो कुछ मिला है.